



कोरोना के वैरिएंट जेएन.1 से 63 लोग हुए संक्रमित

नई दिल्ली। कोरोना के नये वैरिएंट जेएन.1 के मामलों में इजाफा हो रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार रविवार को देश भर में कोरोना के इस नये वैरिएंट से 63 लोग संक्रमित हुए हैं। संक्रमण के सबसे अधिक मामले गोवा से आए हैं। मंत्रालय के अनुसार रविवार को गोवा में नये वैरिएंट से 34 लोग संक्रमित पाए गए हैं। महाराष्ट्र से 09, कर्नाटक में 08, केरल से 06, तमिलनाडु से 04 और तेलंगाना से 02 लोग कोरोना के इस नये वैरिएंट से संक्रमित हुए हैं। उल्लेखनीय है कि इसके साथ ही देश में कोरोना के एक्टिव मामलों की संख्या बढ़कर 4,054 हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक रविवार को देशभर में कोरोना के कुल 656 नए मामले सामने आए।

राष्ट्र से बढ़ कर कुछ नहीं: सीजेआई

पुंछ हमले के बलिदानियों को किया याद, सुप्रीम कोर्ट में मनाया क्रिसमस

बीएनएम@नई दिल्ली

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने पुंछ हमले में बलिदान हुए जवानों को याद करते हुए कहा कि राष्ट्र से बढ़ कर कुछ नहीं है। सुप्रीम कोर्ट परिसर में पहली बार आयोजित क्रिसमस समारोह को संबोधित करते हुए चीफ जस्टिस ने कहा कि हमने पिछले दिनों अपने चार जवानों को खो दिया। आज जब हम क्रिसमस मना रहे हैं तो हमें अपने उन जवानों को नहीं भूलना चाहिए, जो सीमा पर मौजूद हैं। ये वो जवान हैं, जो देश के लिए अपना जीवन तक बलिदान कर देते हैं।

इस मौके पर चीफ जस्टिस ने कहा कि हम

इस साल हम वकीलों के सहयोग से 52 हजार केस का निपटारा करने में सफल रहे हैं। बिना बार के सहयोग को इतने केस का निपटारा सम्भव नहीं था। अगले साल हमारा लक्ष्य होना चाहिए कि इससे भी ज्यादा केस का निपटारा हो सके।



सभी की सबसे पवित्र पुस्तक देश का संविधान है। संविधान हमें सिखाता है कि देश के नागरिक के तौर पर हम सब एक हैं और हमें देश को बेहतर बनाना है। चीफ जस्टिस ने कहा कि क्रिसमस मनाते हुए हमें उन डॉक्टरों और नर्सों को नहीं भूलना चाहिए जो गंभीर रूप से

बीमार मरीजों का इलाज कर रहे हैं। ये लोग अपने परिवार के साथ नहीं हैं। हम खुशकिस्मत हैं कि इस मौके पर हम अपने घरवालों के साथ हैं।

इस मौके पर चीफ जस्टिस ने वकीलों से आग्रह किया कि बिना जरूरत सुनवाई टालने

के आग्रह न करें। चीफ जस्टिस ने कहा कि हमें लोगों की जरूरतों को समझना होगा। बहुत जरूरी होने पर केस को स्थगित करने का आग्रह करना समझ में आता है, पर ये यूँही नहीं होना चाहिए।

हमें चाहिए कि हम समाज को संदेश दें कि हम अपने काम के लिए गंभीर हैं। हम समाज में बेवजह हंसी का पात्र न बनें। चीफ जस्टिस ने कहा कि इस साल हम वकीलों के सहयोग से 52 हजार केस का निपटारा करने में सफल रहे हैं। बिना बार के सहयोग को इतने केस का निपटारा सम्भव नहीं था। अगले साल हमारा लक्ष्य होना चाहिए कि इससे भी ज्यादा केस का निपटारा हो सके।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री

पहुंचे 'सदैव अटल'

प्रधानमंत्री ने बताया काशी से जुड़ाव का कारण

पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी को दी श्रद्धांजलि

बीएनएम@नई दिल्ली

देश के पूर्व प्रधानमंत्री और राजनीति के शिखर पुरुष 'भारत रत्न' अटल बिहारी की 99वीं जयंती पर आज उनके समाधि स्थल 'सदैव अटल' पर प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'सदैव अटल' पहुंचकर दिवंगत नेता को नमन करते हुए श्रद्धांजलि दी।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने

भी 'सदैव अटल' पहुंचकर भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर दिवंगत नेता वाजपेयी का पुण्य स्मरण किया।

उन्होंने लिखा- 'पूर्व प्रधानमंत्री आदरणीय अटल बिहारी वाजपेयी जी को उनकी जयंती पर देश के सभी परिवारजनों की ओर से मेरा कोटि-कोटि नमन। वे जीवनपर्यंत राष्ट्रनिर्माण को गति देने में जुटे रहे। मां भारती के लिए उनका समर्पण और सेवा भाव अमृतकाल में भी प्रेरणास्रोत बना रहेगा।'

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में काशी (वाराणसी) से अपने जुड़ाव के कई कारण गिनाए। उन्होंने कहा कि वे महामना मदन मोहन मालवीय के व्यक्तित्व और विचारों से बहुत प्रभावित रहे हैं। महामना जैसे व्यक्तित्व सदियों में होते हैं और फिर आने वाली पीढ़ियां सदियों तक उनसे प्रभावित रहती हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि महामना मालवीय राष्ट्र, राष्ट्र धर्म, आध्यात्म, शिक्षा, संस्कार के प्रतिमान थे। उन्होंने कठिन व चुनौतीपूर्ण समय में देश के भविष्य के लिए बीज बोए। उसी का परिणाम है काशी हिन्दू विश्वविद्यालय। यह इस बात का प्रमाण है कि अपनी विरासत को समेटे हुए हम आधुनिक ज्ञान को प्राप्त करें।

मुझे खुशी है कि मुझे काशी की सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह भी मेरा सौभाग्य था कि जब मैं 2014 में वाराणसी से चुनाव लड़ने का नामांकन दाखिल करने गया तो मेरे प्रस्तावक मालवीय जी के परिवार से ही थे। आज काशी विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है, साथ ही वहां की विरासत भी अपने प्राचीन चमक दमक और गरिमा के साथ स्थापित हो रही है।

प्रोटोकॉल तोड़कर मिले वरिष्ठों से

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस कार्यक्रम में प्रोटोकॉल तोड़कर लोगों के बीच पहुंच गए। इससे एसपीजी को एक समय में खासी मशकत करनी पड़ी। महामना मालवीय मिशन द्वारा आयोजित वांड्यम लोकार्पण समारोह को संबोधित करने के बाद उनका

वापस जाने का कार्यक्रम था। पर वे मंच की दूसरी ओर से उतरकर पहली पंक्ति में बैठे लोगों से मिलने के लिए चल दिए। दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी के स्वभाव से सुपरिचित वरिष्ठ पत्रकार ने मंच पर आसन ग्रहण करने के बाद ही उनकी कान में कुछ बातें कहीं। उन्होंने प्रधानमंत्री को बताया कि सभागार में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तपस्वी और वयोवृद्ध कार्यकर्ता प्रो. तुपकरी भी हैं।

इसके साथ ही उन राजा-महाराजों के वंशज भी हैं, जिन्होंने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए महामना के आह्वान पर अपनी तिजोरी खोल दी थी। वे सब वंशज अपनी पारम्परिक वेश-भूषा में अलग ही नजर आ रहे थे। प्रधानमंत्री इसीलिए मंच से उतर दूसरी तरफ गए, सबसे मिले, फोटो खिंचवाई, प्रो. तुपकरी का हाल-चाल पूछा।

बातचीत BPS राष्ट्रीय कार्यकारिणी की ऑनलाइन बैठक में लिये गये कई महत्वपूर्ण निर्णय

पत्रकारों के लंबित मुद्दों को लेकर संगठन सौंपेंगे ज्ञापन

बीएनएम@नई दिल्ली

भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की रविवार को हुई ऑनलाइन बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। आगामी राष्ट्रीय सम्मेलन (प्रस्तावित जनवरी 2024) की तैयारी को लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक पांडेय ने कमेटी गठित की। कमेटी में सभी राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष एवं दक्षिण भारत के राष्ट्रीय कमेटी सदस्यों को नामित किया गया।

NUJI के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हिन्दुस्थान समाचार के संस्थापक सुरेश उन्नथन ने संगठन की विधिवत सदस्यता लेने के उपरांत आज राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में शामिल

हुए। राष्ट्रीय न्यूज चैनल JK News के वाइस प्रेसिडेंट इसरार खान एवं दिल्ली से जनतंत्र न्यूज के वरिष्ठ पत्रकार फिरोज खान ने दिल्ली में संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिये।

बिहार से राष्ट्रीय कमेटी के सदस्य एस एन श्याम ने पत्रकारों के मुद्दों पर दिल्ली मार्च करने का प्रस्ताव रखा, जिसे संगठन ने गंभीरता से लेते हुए अगली मीटिंग में तय करने का निर्णय लिया। भोपाल से वरिष्ठ पत्रकार रेखा पटेल ने भी केंद्र एवं राज्य सरकार से सांस्कृतिक विषयों को भी पाठ्यक्रम में शामिल करने का प्रस्ताव रखा।

राष्ट्रीय संगठन सचिव गिरिधर शर्मा एवं राष्ट्रीय सचिव चंदन मिश्र ने संगठन को

आर्थिक रूप से मजबूती प्रदान करने के लिए प्रस्ताव रखा। हावड़ा प्रेस क्लब के अध्यक्ष ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी को जानकारी देते हुए कहा कि कोलकाता से संगठन में 150 पत्रकार सदस्य के रूप में जुड़ चुके हैं। समस्त बंगाल से एक हजार सदस्यों के लक्ष्य को जल्द पूरा करेंगे। बंगाल इकाई द्वारा जनवरी के प्रथम सप्ताह में प्रदेश स्तरीय कार्यशाला का भी प्रस्ताव रखा गया।

कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष अमरनाथ एवं हर्षिता ने बताया कि बैंगलोर राष्ट्रीय सम्मेलन की युद्ध स्तर पर तैयारी में कर्नाटक इकाई क्रिसमस के बाद लगेगी। राष्ट्रीय संयुक्त सचिव शिबू निगम को कर्नाटक कार्यक्रम की तैयारी को लेकर पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया।

राजस्थान से युवा पत्रकार सुरेश ने संगठन की सदस्यता अभियान में तेजी लाने की बात कही।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक पांडेय ने कहा कि पत्रकारों के मुद्दों को केंद्र एवं राज्य सरकार के समक्ष मजबूती से उठाया जायेगा। उन्होंने कहा कि पत्रकारों के लंबित मामलों को लेकर संगठन का प्रतिनिधिमंडल प्रधानमंत्री एवं राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपेगा। उन्होंने झारखंड, छत्तीसगढ़ एवं मध्य प्रदेश इकाई के कार्यों पर संतोष जताते हुए बंगाल एवं कर्नाटक इकाई की भी प्रशंसा की। राष्ट्रीय कार्यकारिणी का संचालन राष्ट्रीय महासचिव शाहनवाज हसन ने किया।

मानवता को समर्पित रहा यीशु का जीवन : नड्डा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि प्रभु यीशु मसीह का जीवन मानवता के लिए समर्पित रहा है। नड्डा सोमवार को क्रिसमस के मौके पर दिल्ली के सेक्रेड हार्ट कैथेड्रल चर्च में प्रार्थना सभा में शामिल होने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि वह सभी से प्रार्थना करते हैं कि प्रभु यीशु ने जो रास्ता सुझाया है, उस पर चलें। यीशु ने मानवता, शांति और भाईचारा बनाए रखने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया था। हम सभी को उनके बताए रास्ते पर चलना चाहिए। नड्डा ने कहा कि आज यीशु की शिक्षा व संदेश को याद करने का दिन है। वह क्रिसमस के अवसर पर देशवासियों को बधाई देते हैं। आज के दिन हम यीशु मसीह को याद करते हैं, जिन्होंने अपना जीवन मानवता के लिए समर्पित कर दिया।

गिरजाघर में क्रिसमस पर याद किया गया प्रभु यीशु को, कई कार्यक्रम आयोजित

बीएनएम@अररिया

फारबिसगंज के पोस्ट आफिस चौक स्थित ऐतिहासिक गिरजाघर सेंट जोन्स चर्च में प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी धूमधाम के साथ क्रिसमस सेलिब्रेशन किया गया। सेलिब्रेशन की शुरुआत मनोज कुमार गुप्ता ने प्रार्थना के साथ की। क्रिसमस के विशेष प्रार्थना के उपरांत चर्च में उपस्थित ईसाई समुदाय के लोगों द्वारा मसीह गीत और कैरोल गीत प्रस्तुत किया गया। फिर कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पास्टर जोवन्ना सोरेन ने पवित्र ग्रंथ बाइबल को उद्धृत करते हुए कहा कि समस्त मानव जाति के पापों से छुटकारा के लिए प्रभु यीशु मसीह का जन्म हुआ था।

उन्होंने युहन्ना का उल्लेख करते हुए बताया कि परमेश्वर ने जगत से इतना प्रेम रखा कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो



बल्कि अनंत जीवन पाए। कार्यक्रम के दौरान प्रभु ईसा मसीह के जन्म पर आधारित नाटक बेचन कुमार मंडल, विजय कुमार मंडल, रूपेश कुमार, नारायण मरांडी, बिट्टू, प्रशांत के द्वारा प्रस्तुत किया गया। जबकि चंचल कुमारी, छोटी कुमारी, अन्ना मेरी मुर्मू आदि के द्वारा मसीह गीत पर डांस प्रोग्राम पेश किया गया। मौके पर गोपाल प्रसाद गुप्ता, राजेश पासवान, बाली यादव, गुरु, संतलाल साह, मुकेश राम, सदानंद राम, घुगली ऋषिदेव, रूबेन कुमार मुर्मूसहित नगर तथा आस पास के क्षेत्र के कई श्रद्धालु उपस्थित थे।

अटल जी की सरकार में बहुत काम हुआ, उन्होंने ही मुझे सीएम बनाया : नीतीश कुमार

बीएनएम@पटना

पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर सोमवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि मुझे बिहार का मुख्यमंत्री बनाने में अटलजी का बहुत बड़ा योगदान है।

नीतीश कुमार ने कहा कि अटलजी की सरकार में हम तीन-तीन विभागों के मंत्री थे। उनके प्रति मेरा आदर का भाव हमेशा से रहा है और हम जब तक हैं वो जीवन भर रहेगा। जब तक अटल जी प्रधानमंत्री थे तो किसी भी धर्म के मानने वालों को किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं होती थी। हमलोग जो भी अपनी बात रखते थे वे उसको स्वीकार करते थे। उनके समय में बहुत काम हुआ। हर क्षेत्र में उन्होंने मदद किया, हमने काम भी किया है।



मीडिया से बात करते हुए नीतीश ने जदयू पार्टी से संबंधित एक प्रश्न के जवाब में कहा कि कौन क्या बोलता है हम ध्यान नहीं देते हैं। आजकल लोग अपने लाभ के लिए जो जी में आए बोलते रहते हैं। किसी को कुछ लाभ मिलने नहीं जा रहा है। हमारी पार्टी में सब एकजुट हैं, कहीं किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं है। हम सभी लोग एक साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री नीतीश ने कहा कि राज्य में बड़े पैमाने पर बहाली हो रही है। हमने घोषणा की थी कि 10 लाख बहाली करेंगे। उसमें आधे के करीब हम पहुंच चुके हैं। हमलोग एक-एक काम कर रहे हैं। हमारी पार्टी और "इंडिया" गठबंधन एकजुट है। हमारी अपनी कोई इच्छा नहीं है। सब लोग साथ मिलकर चलें यही हम चाहते हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

अररिया। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के 99वीं जन्मदिन पर भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। जिसमें जरूरतमंद मरीजों को जांचकर स्वास्थ्य लाभ के साथ साथ दवाई भी निःशुल्क उपलब्ध करवाया गया। यह निःशुल्क स्वास्थ्य उपचार जिले के जाने माने चिकित्सक सह भाजपा के जिला चिकित्सा प्रकोष्ठ संयोजक डॉ सुदर्शन झा एवं चिकित्सा प्रकोष्ठ के सह संयोजक डॉ प्रवीण झा द्वारा किया गया। चिकित्सा स्थल पर चिकित्सक के सहयोगी सभी स्टाफ मौजूद थे। जिलाध्यक्ष आदित्य नारायण झा ने दोनों चिकित्सकों को कार्यालय में अंग वस्त्र देकर सम्मानित किए। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष आदित्य नारायण झा, नगर अध्यक्ष संजय अकेला, युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष सुमीत ठाकुर का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

बिहार में सरिया कानून लागू करना चाहती ही सुरक्षा देने में नाकाम सरकार : गिरिराज सिंह

बेगूसराय। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बिहार में तेजी से बढ़ रहे अपराध और औरंगाबाद के हसपुरा में देवी मंदिर पर प्रतिबंधित मांस लटकाए जाने को लेकर बिहार सरकार पर निशाना साधा है। इसके साथ ही बिहार के इस्लामीकरण की बातें कही हैं।

उन्होंने सोमवार को बेगूसराय में कहा है कि औरंगाबाद के हसपुरा में रोहिंग्या और बांग्लादेशियों का आतंक है। हसपुरा में जो घटना घटी वह एक दिन की घटना नहीं थी, केवल उसे दिन मंदिर की घटना नहीं थी। बल्कि इस इलाके में सामाजिक सौहार्द को बिगड़ने और इस्लामी वर्चस्व को कायम करने के लिए कई महीनों से विभिन्न मंदिरों पर गाय के मांस का टुकड़ा फेंका गया।

गिरिराज सिंह ने कहा कि प्रशासन इस सबकी लीपा-पोती करता रहा। इस बार भी जो

घटना हुई है, उसका भी लीपापोती करने की कोशिश की। लेकिन जनता के जागने के कारण आज यह बात सामाजिक रूप में उजागर हो गई है। मुझे लगता है कि बिहार जैसे प्रांत में विकट स्थिति है।

उन्होंने बताया कि 17 जुलाई 2023 को अमझर शरीफ देवी मंदिर में, हसपुरा बाजार में दो मंदिरों में, रेफरल अस्पताल के निकट देवी मंदिर, चौराही रोड देवी मंदिर एवं कन्या मध्य विद्यालय के निकट स्टूडियो गेट पर गोमांस का लोथड़ा पाया गया। हसपुरा बाजार ठाकुरवाड़ी से भगवान की मूर्ति चोरी हो गई। 18 जुलाई को हसपुरा मस्जिद गली में हरि भगवान उर्फ प्रेमजी (संघ कार्यकर्ता) के दरवाजे पर गोमांस फेंका गया। आठ अगस्त को बाला बिगहा गांव हनुमान मंदिर में गोमांस का लोथड़ा फेंका गया। 23 दिसम्बर को

हसपुरा प्रखंड कार्यालय के निकट काजी बिगहा के मंदिर में गोमांस के टुकड़े फेंके गए।

गिरिराज सिंह ने कहा कि हाल के वर्षों में अमझर शरीफ में बसाए गए मुस्लिमाबाद बस्ती के रोहिंग्या एवं बांग्लादेशी मुसलमानों द्वारा इन नापाक हरकतों द्वारा सांप्रदायिक तनाव बढ़ाने की कोशिश की जा रही है। प्रशासन निष्क्रिय और मूक दर्शक बना हुआ है। बिहार में लगातार हो रहे अपराध को लेकर गिरिराज सिंह ने कहा कि बिहार में कोई सुरक्षित नहीं है। रात में पटना में पुलिसकर्मी को गोली मारी गई तो सुबह में शेखपुरा में छात्र की हत्या हो गई। बेगूसराय में बीते दिनों शराब माफिया ने एसआई खामस चौधरी को कुचलकर मार डाला। जिस राज्य में पुलिसकर्मी ही सुरक्षित नहीं हो उस राज्य में जनता की रक्षा कौन करेगा।

कांग्रेस कार्यकर्ता देश हित के लिए संघर्ष करने व कुर्बानी देने के लिए रहें

तत्पर : डॉ तारानंद सादा

सहरसा। जिला कांग्रेस कार्यालय में सोमवार को जिलाध्यक्ष मुकेश कुमार झा की अध्यक्षता में प्रखंड प्रभारियों, प्रखंड अध्यक्षों, वरीय कांग्रेसियों और मोर्चा संगठनों की बैठक प्रखंड कमिटी, पंचायत कमिटी और बूथ कमिटी के मुद्दे पर हुई। बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के सदस्य और वरीय कांग्रेसी डॉ तारानंद सादा भी उपस्थित थे। अपने सम्बोधन में डॉ सादा ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को देश हित के लिए संघर्ष करने और कुर्बानी देने के लिए आह्वान किया क्योंकि देश गलत आदमी के हाथ में है। बेरोजगारी चरम सीमा पर है वही किसान आत्म हत्या करने के लिए मजबूर हो रहे हैं। दो गुजराती देश बेच रहा है और दो गुजराती खरीद रहा है। कांग्रेस के लोग देश की आजादी दिलाने में अहम भूमिका निभाई और हजारों लाखों स्वतंत्रता सेनानियों ने अपनी जान दे कर देश को आजाद कराया। और आज प्रधानमंत्री मोदी जी ईस्ट इण्डिया कंपनी की तरह चंद मित्रों के हाथों देश की अर्थ व्यवस्था और अस्मिता को बेच दिया है। मिडिया समूह को पंगु बना दिया है और यह समूह सिर्फ मोदी का गुण गान में लगी है। सभी उपस्थित कांग्रेसजनों से अनुरोध किया कि एक सप्ताह के अंदर प्रखंड, पंचायत और बूथ कमिटी को तैयार कर जिला को भेजें ताकि ससमय प्रदेश को भेजा जा सके। बैठक में प्रदेश प्रतिनिधि राम सागर पाण्डेय, मो नईमउद्दीन, वरीय उपाध्यक्ष और मिडिया प्रभारी कुमार हीरा प्रभाकर, प्रखंड प्रभारी चमक लाल यादव एवं जिला सचिव सुनील ठाकुर सहित अन्य मौजूद थे।

अभाविप ने मुख्यमंत्री से मांगा इस्तीफा

बीएनएम@बेगूसराय

बिहार में बढ़ रहे अपराध के खिलाफ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के बेगूसराय नगर इकाई ने जीडी कॉलेज में मुख्यमंत्री के विरोध में आक्रोश मार्च निकाला। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी भी की।

पूर्व राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य अजीत चौधरी ने कहा कि बिहार में अपराध बढ़ना आमजन के लिए चिंता का विषय बना है। अपराधी के मन में प्रशासन का डर नहीं दिख रहा है, डर का माहौल है। विभाग संयोजक सोनू कुमार एवं राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य पुरषोत्तम कुमार ने बताया कि सरकार की सभी योजना फेल हो गई है। लाखों लोग पलायन कर रहे हैं, लेकिन सरकार बिहार से बाहर बालों के बीच नौकरी बांट रही है जो



बेहद शर्मनाक है।

अगर बिहार में योग्यता का अभाव है तो दूसरे राज्य से योग्य लोगों को बुलाया जाय, यह समझ में आता है। लेकिन जब बिहार में योग्य लोगों की कोई कमी नहीं है तो दूसरे राज्य के छात्र-छात्राओं को नौकरी के लिए आमंत्रित करना बिहारियों के साथ

अन्याय है।

नगर मंत्री अजीत कुमार एवं प्रदेश कार्यकारणी सदस्य कमल कश्यप ने कहा कि पिछले दिनों वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय आरा में शांति पूर्वक प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता पर सरकार के आदेशानुसार लाठीचार्ज किया

गया। जिससे कई छात्र बुरी तरह से घायल हो गए।

सरकार छात्र-छात्राओं के समस्या को सुनना नहीं चाहती है। उनकी आवाज को दबाने के लिए लाठीचार्ज करती है, जो की निंदनीय है। लाठी के दम पर कोई सरकार नहीं चल सकती है। कॉलेज अध्यक्ष प्रहलाद कुमार एवं स्वाध्याय मंडल के जिला संयोजक दिव्य कुमार ने कहा कि बिहार में भ्रष्टाचार चरम पर है।

पलायन लाखों की संख्या में है, अपराध बढ़ गया है, शिक्षा और चिकित्सा का हाल बदहाल है। प्रत्येक वर्ष बाढ़ से लाखों लोग परेशान है इसका कोई टोस निदान नहीं है। वर्तमान में बिहार अन्य राज्यों को मजदूर सप्लाई का फैक्टरी बन गई है। बिहार सरकार को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए।

नेत्र चिकित्सा शिविर का किया आयोजन

ईस्ट चम्पारण लायंस क्लब के कार्यक्रम में 45 लोगों का हुआ निःशुल्क मोतियाबिंद का आपरेशन

बीएनएम@मोतिहारी

ईस्ट चम्पारण लायंस क्लब की ओर से रविवार को मोतियाबिंद ऑपरेशन कैंप शहर के संस्कार नेत्रालय में लगाया गया।

कैंप में 45 लोगों का निःशुल्क आंख का ऑपरेशन कर लेंस लगाया गया। मोतियाबिंद का ऑपरेशन शहर के सुप्रसिद्ध डॉ. ला. सदस्य डॉ. नारायण कुमार ने किया। वही सभी मरीज को सोमवार के सुबह 8:30 बजे चश्मा दवा और आवश्यक निर्देश के साथ डिस्चार्ज कर दिया गया। इस कैंप में ला. इंटरनेशनल के डिस्ट्रिक्ट 322 के वॉइस



डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ला. गणवंत मल्लिक, पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ला. प्रकाश नंदा एवं डिस्ट्रिक्ट कैबिनेट के ला. संगीता नंदा और ला. पंकज पूर्वे, मुजफ्फरपुर एवं कटिहार से वरीय पदाधिकारी भी शामिल हुए। अध्यक्ष ला. सुजीत कुमार सिंह एवं सचिव ला. सुधीर कुमार गुप्ता ने बताया कि क्लब के द्वारा प्रत्येक साल की तरह इस साल भी इस कैंप

के आयोजन के लिए एक सप्ताह से तैयारी चल रही थी। लिहाजा सैकड़ों की संख्या में मोतियाबिंद ऑपरेशन कराने के लिए रजिस्ट्रेशन हुआ, जो 24 दिसंबर को स्क्रीनिंग के बाद 45 मरीज को मोतियाबिंद का सफल ऑपरेशन कर लेंस लगाया गया। कैंप में वरीय ला. सदस्य केपी श्रीवास्तव का विशेष योगदान रहा। उक्त अवसर पर जोनल

चेयरपर्सन ला. सुधांशु रंजन, कोषाध्यक्ष अमित कुमार सेन एवं विजन चेयरपर्सन लोकेश गुप्ता, ला. डॉ. परवेज अजीज, निवर्तमान अध्यक्ष विनय देवकुलियार, ला. मनोज जायसवाल, ला. अनुपम जायसवाल, ला. महेशचंद्र लाल, ला. राजकिशोर प्रसाद, ला. अभिषेक नारायण आदि दर्जनो क्लब के सदस्य मौजूद थे।

मुख्यमंत्री प्रखण्ड परिवहन योजना को लेकर 27 तक कर सकेंगे आवेदन

बीएनएम@केसरिया। मुख्यमंत्री प्रखण्ड परिवहन योजना का लाभ लेने को लेकर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इसको लेकर परिवहन विभाग की वेबसाइट पर 27 दिसम्बर तक आवेदन किया जा सकता है। इसके बाद चयनित लाभार्थियों को इस योजना का लाभ मिलेगा। जानकारी देते हुए बीडीओ मनीष कुमार सिंह ने बताया कि इस योजना के तहत प्रखण्ड के अधिकतम सात लोगों को लाभ दिया जाएगा। इसमें एससी व अत्यंत पिछड़ा वर्ग से दो-दो तथा पिछड़ा, अल्पसंख्यक व सामान्य कोटि से एक-एक लोगों को लाभ दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि आवेदन के लिए मैट्रिक का प्रमाणपत्र, जाति व निवास प्रमाणपत्र के साथ साथ ड्राइविंग लाइसेंस व आधारकार्ड का होना जरूरी है। अंतिम रूप से चयनित आवेदकों को बस की खरीद पर पाँच लाख रुपया का अनुदान दिया जाएगा।

श्रद्धेय अटल बिहारी भाजपेयी जी की जन्म जयंती को सुशासन दिवस के रूप में बनाया गया

रक्सौल। डाक बंगला परिषद में जिला अध्यक्ष अशोक पाण्डे जी की अध्यक्षता में भारतीय जनता पार्टी के भीष्मपितामह श्रद्धेय स्व अटल बिहारी भाजपेयी जी की जन्म जयंती को 'सुशासन दिवस' के रूप में मनाया गया। मौके पर उपस्थित मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष श्री सरोज रंजन पटेल जी ने अटल जी की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके कार्यकाल में किए हुए कार्यों की व्याख्या किया और उनके जीवन चरित्र को अपने जीवन में उतारने का संकल्प दिलाया। मौके पर उपस्थित कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में बिहार भाजपा मुख्यालय सह प्रभारी ईं जितेन्द्र कुशवाहा जी ने स्व अटल बिहारी भाजपेयी जी की जन्म जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उनके जीवन का परिचय कराते हुये बताया कि धूल और धुएँ की बस्ती में पले एक साधारण अध्यापक के पुत्र अटल बिहारी वाजपेयी दुनिया के सबसे बड़े



लोकतंत्र के प्रधानमंत्री बने। उनका जन्म 25 दिसंबर 1925 को हुआ। अपनी प्रतिभा, नेतृत्व क्षमता और लोकप्रियता के कारण वे चार दशकों से भी अधिक समय से भारतीय संसद के सांसद रहे। उनमें मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की संकल्पशक्ति, भगवान श्रीकृष्ण की राजनीतिक कुशलता और आचार्य चाणक्य की निश्चयात्मिका बुद्धि है। वे अपने जीवन का क्षण-क्षण और शरीर का कण-कण राष्ट्रसेवा

के यज्ञ में अर्पित कर रहे हैं। उनका तो उद्घोष है - हमजिएँगे तो देश के लिए, मरेंगे तो देश के लिए। इस पावन धरती का कंकर-कंकर शंकर है, बिन्दु-बिन्दु गंगाजल है। भारत के लिए हँसते-हँसते प्राण न्योछावर करने में गौरव और गर्व का अनुभव करूँगा।

आगे ईं जितेन्द्र ने बताया कि प्रधानमंत्री अटलजी ने पोखरण में अणु-परीक्षण करके संसार को भारत की शक्ति का एहसास करा दिया। कारगिल युद्ध में पाकिस्तान के छक्के छुड़ाने वाले तथा उसे पराजित करने वाले भारतीय सैनिकों का मनोबल बढ़ाने के लिए अटल जी अग्रिम चौकी तक गए थे।

जिला अध्यक्ष अशोक पांडेय जी ने कार्यक्रम का समापन करते हुए दल के कार्यकर्ताओं को अटल जी के जीवन से सीख कर अपने जीवन में उतारने का प्रयास करना चाहिए।



सुशासन दिवस के रूप में मनाया गया पूर्व पीएम की जयंती

बीएनएम@केसरिया। भाजपा द्वारा सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री स्व अटल बिहारी वाजपेयी की 99 वीं जयंती को सुशासन दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर केसरिया स्थित एक निजी विद्यालय के परिसर में आयोजित जयंती समारोह में पूर्व पीएम स्व वाजपेयी के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया गया। संबोधित करते हुए भाजपा के जिला मंत्री शम्भु महतो ने कहा कि स्व वाजपेयी ने देश के उत्थान के लिए कई ऐतिहासिक कदम उठाए। उनके कुशल नेतृत्व व विनम्र व्यवहार के कारण सभी दल के लोग आज भी उनका आदर करते हैं। मौके पर भाजपा नेता आनंद सिंह, मंडल महामंत्री अविनाश सिंह, अशोक कुमार, आनंद गुप्ता, सुमन पाण्डेय सहित अन्य मौजूद थे।

संमिनार 'आपदा से बचाव एवं बच्चों के अधिकार' विषय पर लोगों ने रखे विचार बच्चों के अधिकार विषय पर कार्यशाला आयोजित

बीएनएम@नुरकौलिया

राष्ट्रीय दलित मानवाधिकार अभियान (NCDHR) एवं राष्ट्रीय दलित न्याय आंदोलन बिहार के तत्वावधान में सोमवार को प्रखंड क्षेत्र के लक्ष्मीपुर अनुसूचित जाति बस्ती में 'आपदा से बचाव एवं बच्चों के अधिकार' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। जहां अभियान के प्रदेश महासचिव विद्यानंद राम ने कार्यशाला में उपस्थित सैकड़ों प्रतिभागियों को प्राकृतिक आपदा एवं मानवजनित आपदा के बारे में विस्तार पूर्वक बताया।

वही आपदा से बचाव के गुर भी बताए। उन्होंने कहा कि विशेषकर आपदा के दरम्यान बच्चों को कई प्रकार के भेद भाव का शिकार होना पड़ता है। जिसका उनके जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसलिए हमें बच्चों



के अधिकारों के संरक्षण के प्रति सचेष्ट रहना चाहिए। वहीं अनुमंडल अग्निशामक पदाधिकारी रमेश प्रसाद द्वारा गैस सिलेंडर एवं विद्युत से लगने वाले आग के कारण एवं बचाव के उपाय के बारे में बताया गया।

उन्होंने विद्यार्थियों एवं उपस्थित जनसमूह को बताया कि अग्निशामक यंत्र दो प्रकार का होता है। एक में मोनो अमोनियम फासफोट का पाउडर तथा दूसरे में कार्बन डाइऑक्साइड गैस होता है जो आग को बुझाता है। उन्होंने गैस सिलेंडर, गैस पाइप में लगे आग को व्यवहारिक रूप बुझाकर भी लोगों को बताया।

कई विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को भी आग बुझाने का प्रैक्टिकल करवाया। कार्यशाला का संचालन सीआरसी संचालक किरण राम ने किया तथा उन्होंने विद्यार्थियों के बीच शिक्षण सामग्री का भी वितरण किया। उक्त अवसर पर मुख्य रूप से अग्निशामक कर्मी अमित कुमार, सुनील पासवान, ऋतु कुमारी, पूजा कुमार, रविशंकर कुमार, रोहित कुमार, सामाजिक कार्यकर्ता मनोज पासवान, सुरेंद्र राम, अजय राम, आगनवाड़ी सेविका विद्यादेवी, लड्डू कुमार, मुन्ना कुमार, नीरज कुमार एवं विष्णुदेव राम आदि उपस्थित थे।

MADAN RAJ

NURSING HOME

- ★ Dr. C.B. Singh
MBBS
- ★ Dr. Khushboo Kumari
MBBS, MD
(Obstetrics & Gynecology)
- ★ Dr. Vibhu Prashar
MBBS, MD
(Critical Care & Anthropology)

24-Hour
Emergency
Service

SERVICE AVAILABLE

- ← General & Laparoscopic Surgeon
- ← Orthopedic & Trauma Surgeon
- ← All Type & Cbs & Gynee Services
- ← 24x7 Smart Advanced ICU Services
- ← Daily Cancer Clinic

HOSPITAL ROAD
MOTIHARI, (BIHAR)

Contact No.- 9801637890,
6200480505, 9113274254

बीपीएससी से प्रधानाध्यापक के पद पर चयनित हुई प्रियंका प्रिया

बीएनएम@मोतिहारी/छौड़ादानों

बीपीएससी से प्रधानाध्यापक पद पर चयनित होकर नियोजित माध्यमिक शिक्षिका प्रियंका प्रिया ने अपने परिवार का मान बढ़ाया है। शिवशंकर सिंह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रघुनाथपुर रक्सौल में माध्यमिक शिक्षक रूप में कार्य कर रही हैं। बीपीएससी टेयर 1 में चयनित हुईं लेकिन दूरी होने के कारण योगदान नहीं की, वही बीपीएससी टेयर 2 में कल्याण विभाग के उच्चतर माध्यमिक आवासीय विद्यालय के प्रधानाध्यापक पद की परीक्षा देकर चयनित हुई हैं। इस सफलता पर विद्यालय परिवार, ससुराल रक्सौल, मायके एकडरी छौड़ादानों में खुशी की लहर है। प्रियंका

प्रिया के पिता श्री जगन्नाथ प्रसाद जो सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिकटा पश्चिम चम्पारण से हैं, और कहते हैं कि बचपन से ही मेधावी हैं प्रियंका प्रिया और दूसरी बेटी पूजा कुमारी भी शिक्षिका हैं।

मध्य विद्यालय छौड़ादानों बालक में हैं। दो पुत्र में से एक पुत्र संदीप कुमार रेलवे विभाग में अभियंता हैं। वही दूसरे पुत्र संतोष कुमार पर्यवेक्षक हैं। घरगृहस्थी व शिक्षिका का कार्य करते हुए बीपीएससी से प्रधानाध्यापक के पद पर चयनित होकर प्रियंका ने मायके व ससुराल को गौरवांजित किया है। इसका का श्रेय अपने माता-पिता पति धर्मपाल आर्य को दी। बेटी अब पहचान बन रही हैं।



समाज सेवा

बैठक में समारोह को सफल बनाने की अपील

बीएनएम@केसरिया। आगामी सात जनवरी को मोतिहारी में आयोजित होने वाले कानू एकता सह सम्मान समारोह की तैयारी को लेकर शनिवार बैठक हुई। नगर पंचायत के सम्राट अशोक भवन के सभागार में आयोजित इस बैठक में क्षेत्र के कानू समाज के लोगों ने भाग लिया। बैठक को संबोधित करते हुए सुभाष गुप्ता ने कहा कि इस समारोह को ऐतिहासिक बनाना है। जिसको लेकर क्षेत्र से अधिक से अधिक संख्या में भगीदारी दर्ज करानी है। उन्होंने उपस्थित लोगों से समारोह को सफल बनाने में हरसंभव प्रयास करने की अपील की। इस दौरान कार्यक्रम की विभिन्न पहलुओं पर विचार विमर्श किया गया। तैयारी बैठक की अध्यक्षता मुन्ना साह ने की। मौके पर श्यामबाबू प्रसाद, सरपंच विनोद कुमार, कुन्दन कुमार, कानू विकास मंच के अध्यक्ष मुकेश कुमार, अजीत साह, महेश प्रसाद, सुरेश गुप्ता, पूर्व सरपंच ज्योति गुप्ता, राकेश कुमार रत्न, अजय कुमार, संदीप कुमार, विजय प्रसाद, संजय कुमार गुप्ता समेत अन्य उपस्थित थे।

तुलसी दिवस के अवसर नैतिक शिक्षा प्रसार समारोह आयोजित

मोतिहारी। तुलसी दिवस के पुनीत अवसर पर बलुआ टाल स्थित मंगलम कम्प्यूटर संस्थान में चम्पारण नैतिक शिक्षा प्रसार समारोह के प्रणेता संदीप कुमार रौनक के द्वारा मुफ्त नैतिकता की पाठशाला व तुलसी दिवस का आयोजन किया गया।

छात्रों को समझाते हुए श्री रौनक ने कहा कि अपनी देश व समाज कि अखंडता व अपनी पहचान को बनाए रखने के लिए सदैव अपनी सभ्यता और संस्कृति को संभाल कर रखना चाहिए। जो लोग अपनी विरासत को खो देते हैं मानो खुद से अपनी संपूर्ण पतन का द्वारा खेल देते हैं। तुलसी के पौधे का प्राचीन काल से हमारे जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है। आयुर्वेद के मुताबिक, तुलसी की पत्तियों में एंटीबैक्टीरियल, एंटीवायरल, एंटी-फंगल जैसे गुण पाए जाते हैं। तुलसी के पत्ते खाने से खांसी, बुखार, तनाव से मुक्ति, दाग - धब्बे, मुहसे, स्किन, लिवर व सबसे घातक मुंह और फेफड़ों के



कैंसर से बचाने में भी मदद करती हैं। साथ ही समय से पहले बूढ़ा होने से रोकने में मदद करती हैं। इन्हीं गुणों के कारण तुलसी को जड़ी बूटियों की रानी, जीवन के लिए अमृत तथा आरोग्य का देवी कहा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार प्रतिदिन तुलसी की पूजा करना पाप नाशक तथा मोक्षदायक समझा जाता है। तुलसी के पौधे घर में लगाने तथा उसके नीचे दीपक जलाने से घर में सुख शांति समृद्धि आती है इसीलिए इन्हें माता का दर्जा दिया जाता है। समाजसेवी व समिति सदस्य गणेश केसरी ने कहा कि तुलसी के

पौधे में अत्यधिक मात्रा में पौष्टिक होता है जिसके फलस्वरूप सभी प्रकार की बीमारियों से लड़ने की शक्ति प्रदान करती है।

इस अवसर पर सभी बच्चों को तुलसी का पौधा वितरण किया गया। सभी छात्रों व सदस्यों ने इस परिवार की तरह देखभाल करने का संकल्प लिया। उक्त अवसर पर कोषाध्यक्ष अभय कुमार, अंजली कुमारी गुप्ता, नेहा कुमारी सिंह, तबस्सुम आरा, केतन गुप्ता, वेद प्रकाश, गोल्डी कुमारी, छोटन कुमार, सन्नी कु. अर्चना चौधरी आदि लोग मौजूद थे।

एक हजार बोतल नेपाली कस्तूरी शराब के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम@मोतिहारी

मोतिहारी शहर के छतौनी थाना क्षेत्र के मठियाडीह मोहल्ला से भारी मात्रा में नेपाली कस्तूरी शराब बरामद के साथ तीन तस्कर को गिरफ्तार किया गया, जिसमें दो तस्कर की गिरफ्तारी मठिया डीह से हुई है, वही एक तस्कर छतौनी बस स्टैंड से पकड़ा गया है।

छतौनी थानाध्यक्ष कंचन भास्कर ने बताया कि मठियाडीह में एक हजार बोतल नेपाली शराब के साथ तस्कर विनोद साह व दरपा शिवधरवा के मुकेश साह को गिरफ्तार किया गया है। इन दोनों की निशानदेही पर मुफस्सिल थाना क्षेत्र के कटहां निवासी मुन्ना कुमार को छतौनी बस स्टैंड से पकड़ा गया।

उन्होंने बताया कि रविवार को सूचना मिली कि मठियाडीह बांसवारी में न्यू इथर के लिए शराब छुपा कर रखा हुआ है। इस सूचना के बाद पुलिस टीम ने छापेमारी की तो बाइक पर



शराब लोड कर ले जाते विनोद व मुकेश को गिरफ्तार किया गया। बाइक पर लदे दो बोरा से दो सौ बोतल शराब मिला। वही इनसे दोनों पूछताछ करने पर एक बांसवारी में छुपा कर रखे आठ बोरा में आठ सौ बोतल नेपाली शराब को बरामद किया गया।

पूछताछ में तस्करों ने बताया कि छौड़ादानो से शराब लाकर परचुनिया को सप्लाई करते हैं। बाइक से शराब की खेप लेकर बस स्टैंड स्थित मुन्ना के होटल में देने जा रहे थे। जिसके बाद बस स्टैंड में छापेमारी कर मुन्ना को गिरफ्तार किया गया। इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर तीनों को न्यायिक हिरासत में भेज जा रहा है।

मोतिहारी एसपी ने ड्यूटी के प्रति लापरवाह चार पुलिसकर्मी को किया निलंबित

बीएनएम@मोतिहारी

पुलिस अधीक्षक कांतेश कुमार मिश्र ने ड्यूटी के प्रति घोर लापरवाही व उदासीनता बरतने के आरोप में चार पुलिसकर्मी को निलंबित कर दिया है।

उक्त जानकारी देते हुए बताया गया कि बीते दिनों रामगढ़वा थाना क्षेत्र के हरिशंकर वर्मा कॉलेज के समीप 7.460 किलोग्राम चरस के साथ नेपाल के परसा जिला निवासी लालबाबू ठाकुर व सुदर्शन वर्णवाल नामक दो तस्कर को नेपाली नंबर के बाइक के साथ गिरफ्तार किया गया, जिसे न्यायालय में उपस्थापन हेतु सरकारी वाहन से मोतिहारी ले जाने की जिम्मेदारी एसआई असलम अंसारी, एसआई हरेकृष्ण

सिंह यादव, सिपाही 32 चंदन कुमार एवं सिपाही 1329 शालीग्राम कुमार को दिया गया था। इसी क्रम में सुगौली रेलवे फाटक के पास उक्त दोनों अभियुक्त इनके अभिरक्षा में सरकारी वाहन से उतर कर भागने लगे। हालांकि भागने के क्रम में एक अभियुक्त को पकड़ लिया गया परंतु दूसरा अभियुक्त भागने में सफल हो गया।

उल्लेखनीय है, कि इस पूरे घटनाक्रम की जांच रक्सौल डीएसपी को दिया गया। जांच में इन पुलिसकर्मियों की घोर लापरवाही व कार्य के प्रति उदासीनता परिलक्षित हुआ है। जिसके बाद इन पुलिस कर्मियों पर निलंबन की कारवाई की गयी है। वही थानाध्यक्ष रामगढ़वा से स्पष्टीकरण की मांग की गई है।

M.S. MEMORIAL PUBLIC SCHOOL
(Day Cum Residential)
Registration & Admission Open by Session 2024-2025
TRANSPORT FACILITY AVAILABLE
Contact No.- 9939042109
9431203674
BALGANGA, ARERAJ ROAD, MOTIHARI

अब सही डॉक्टर से सही इलाज कराना है और बिगोहेल्थ से ही नंबर लगाना है।
BigOHealth
सही डॉक्टर, सही इलाज
डाउनलोड करें BigOHealth App
और मोतिहारी के प्रमुख डॉक्टर के पास घर बैठे फोन से नंबर लगाएं।
844-856-9131 24x7 Medical Helpline
GET IT ON Google Play



वास्तव में सुख का अर्थ--जो मिल रहा है, उसका आनंद लेना और दुःख का अर्थ--मुझे और चाहिए। सुख प्राप्त का यह मतलब

नहीं कि आपको जो अच्छा लगे, आप वह कर सकें बल्कि यह है कि जो आप करें, वह अच्छा हो। सुख व्यक्ति के अहंकार की परीक्षा है जबकि दुःख व्यक्ति के धैर्य की परीक्षा है। दोनों परीक्षा में उत्तीर्ण व्यक्ति का जीवन ही सफल जीवन है। सुख के लिए संतोषी बनना ज्यादा श्रेयस्कर है क्योंकि संतोष सुख की जड़ है, असंतोष में तो दुःख पनपता है। सुख और आनंद ऐसे इत्र हैं जिन्हें जितना दूसरों पर छिड़केंगे, उतनी ही सुगंध आपके भीतर आएगी।

सुखी होने के बहुत रास्ते हैं, पर औरों से ज्यादा सुखी होने के रास्ते नहीं हैं। दूसरे को दोषी बनाने का जो सुख समझते हैं, उसके लिए असली दुःख वहीं ज्यादा बड़ा है। सुख-

जिंदगी में सुख-दुःख की ढलान

दुःख की न तो कोई परिभाषा है और न ही कोई सीमा। सुखी होने के चक्कर में बहुत से लोग पूरी जिंदगी दुःखी रहते हैं। दुःख में स्वयं की एक अंगुली आंसू पोंछती है और सुख में दसों अंगुलियां बजती हैं। दुःख जीवन में इसलिए आते हैं ताकि हम सुख का महत्व समझ सकें। किसी को अपना दुःख दर्द देता है तो किसी को दूसरों का सुख दर्द देता है। अगर हम पेंसिल बनकर किसी का सुख नहीं लिख सकते तो अच्छी रबड़ बनकर किसी का दुःख कम तो कर सकते हैं। किसी को चाह कर भी दुःख नहीं देना चाहिए, क्योंकि कई बार किसी को दी गई चीख कई गुना होकर वापस लौटती है। इच्छाएं, सपने, उम्मीदें और नाखून--इन्हें समय-समय पर काटते रहें, अन्यथा ये दुःख और पश्चाताप का कारण बनते हैं।

इंसान दो अवस्थाओं में बेबस है--दुःख बेच नहीं सकता और सुख खरीद नहीं सकता। सुखी व्यक्ति वह है जो निरंतर स्वयं का मूल्यांकन एवं सुधार करता है, जबकि दुःखी व्यक्ति वह है जो दूसरों का मूल्यांकन करने में लगा रहता है। सचमुच कुदरत ने तो आनंद

दिया था, दुःख तो हमारी खोज है। कहते हैं कि दुःख बांटने से कम होता है, पर बहुत बार इंसान अपनों को दुःख इसलिए नहीं बताता कि कोई दुःखी न हो जाए या उन्हें बताने लायक नहीं समझता। किसी ने कहा है कि मनुष्य अपनी इच्छाएं त्यागकर अर्थवान हो जाता है और लालच तजकर मनुष्य सुखी हो जाता है।

किसी ने खूब कहा है कि किसी के सुख का कारण बनें, भागीदार नहीं और दुःख में भागीदार बनें, कारण नहीं। किसी को दुःख देने से पहले यह सोच लेना कि उसके आंसू कहीं आपके लिए सजा न बन जाएं। देखने में आया है कि दूसरों का भला करने वाले को ज्यादा कष्ट और तकलीफें उसी तरह झेलनी पड़ती जैसे फल देने वाले पेड़ को सबसे ज्यादा पत्थर झेलने पड़ते हैं। जिसे जीना आता है, वह बिना किसी सुविधा के भी खुश मिलेगा और जिसे जीना नहीं आता, वह सुविधाओं के होते हुए भी दुःखी मिलेगा।

यकीनन हम खुशी के लिए सोचेंगे तो खुश रहेंगे और दुःख के विषय में सोचेंगे तो दुःखी रहेंगे। सुखी रखना बेशक हमारे हाथ में नहीं

है, लेकिन किसी को दुःख न देना जरूर हमारे हाथ में है। सुख-दुःख मेहमान हैं, बारी-बारी आएंगे, कुछ दिन ठहर कर चले जाएंगे। दुःख को सुख में बदलते रहिए, धीरे-धीरे ही सही, पर चलते रहिए। दुःख हमारी सोच में ज्यादा बसता है। अतः सोच बदलिए, दुःख अगर किसी कारण खत्म नहीं तो कम जरूर हो जाएंगे। दुःख जीवन में इसलिए आते हैं ताकि हम सुख का महत्व समझ सकें। अगर वो नहीं आएंगे तो अनुभव कहां से लाएंगे? अगर दुःखी रहने में आनंद लेना हो तो दूसरों में कमी खोजो और सुखी रहना हो तो गुण खोजो।

जीवन में जब हम खराब दौर से गुजरते हैं, तब मन में यह विचार जरूर आता है कि परमात्मा मेरी परेशानी देखता क्यों नहीं, मेरे दुःख कम क्यों नहीं करता। पर याद रखना, जब परीक्षा चल रही होती है, तब शिक्षक मौन रहते हैं।

दुःखी सब हैं संसार में, कौन है जो पूर्णतः सुखी है? कटु सत्य है कि किसी को अपना दुःख दर्द देता है तो किसी को दूसरों का सुख दर्द देता है। अपने को खुश रखोगे तो दूसरे

तुमसे खुश रहेंगे। खिन्न रहने वाले किसी की खुशी हासिल नहीं कर सकते। जिसे मन स्वीकारे, वह सुख और जिसे अस्वीकारे, वह दुःख।

हमें परमपिता परमेश्वर की व्यवस्था पर अटूट विश्वास रखना चाहिए। क्योंकि वही सृष्टि के निर्माता, पालनहार और संहारक हैं। वही मनुष्य के कर्मों का हिसाब रखते हैं और वही हमारे दुखों का अंत भी करते हैं। विपदा में लोग भगवान को याद करते हैं, लेकिन बुरी घड़ी टल जाती है तो फिर उसे भूल जाते हैं। यदि मनुष्य सुख के समय भी भगवान को न भूले, उनका सुमिरन करता रहे तो भला दुःख आएगा ही क्यों?

जीवन में दो बातें ध्यान रखने लायक हैं। एक तो यह कि प्रभु जो सुख-दुःख देते हैं, उसमें इस जन्म या पूर्व जन्म में किए गए कर्म का फलादेश जुड़ा होता है। यानी बुरे कर्म का बुरा फल, अच्छे का अच्छा फल। दूसरा, जीवन रूपी सड़क पर लंबा सफर करते हैं तो चढ़ाई आने के बाद दुःख और समतल में सुख आता रहता है। कई बार प्रभु अपने भक्त को असमंजस में डालते हैं और ऐसा करके प्रभु अपने भक्त की आस्था, विश्वास, सोच, संकल्प आदि की परीक्षा ले रहे होते हैं। सुख और दुःख एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।

इतिहास झांकू - भीष्म कुकरेती

मुझे नहीं पता आज देहरादून में समोसा संस्कृति कितनी ज़िदा है पर यह पता है कि समोसा भारत में नहीं जन्मे पर हम जब भारत की कल्पना करते हैं तो हमें आज का भारत ही याद आता है। कभी भारत बहुत बड़ा क्षेत्र था। कहा जाता है कि समोसे का जन्म मिडल ईस्ट में हुआ। बात में दम है समोसे में नमक कम है व मैदा से बनता है क्योंकि अमूनन आम भारतीय आज भी मैदे से दूर रहता है केवल विशेष पकवान छोड़कर।

कहा जाता है कि ईरान में यह पकवान 9 या 10 सदी में सम्बुसक, या सम्बोसाग के नाम से जानता जाता है। ईरानी साहित्य में संबोसग, संबोसा, सम्बुसक का सबसे पहले संदर्भ 10 वीं सदी में मिलता है। ईरानी इतिहासकार की किताब 'तारीख-ए-बेयहागी' (दसवीं सदी) में मिलता है और माना जाता है कि घुमन्तु व्यापारियों ने इस तिकोने मीठे भोज्य पदार्थ को दुनिया के अन्य कोनों में पहुंचाया। भारत में समोसा शायद 12 वीं या 13 वीं में व्यापारी या खानसामों द्वारा भारत में आये व सुल्तान के रसोई के शान बन गया। मोरोका यात्री इब्न बट्टा ने अपनी यात्रा वृत्तांत में लिखा है कि सुलतान बिन तुगलक के शाही भोजन गृह में उसे तिकोने सम्बुसक भोजन में

समोसे का भारत में इतिहास



दिए गए जिसके अंदर मसूर, मटर पिस्ता, बादाम व अन्य स्वादिष्ट पदार्थ भरे थे। तेरवीं सदी में महान सूफी विद्वान अमीर खुसरो ने लिखा है कि समोसा भद्र लोग खाते थे। मटन, मसालों व अन्य पदार्थों से समोसा बनता था।

अमीर खुसरो ने एक पहेली भी दी - समोसा क्यों नहीं खाया? जूता क्यों नहीं पहना? ताला न था। (जूते के सोल ताला कहा जाता है)

अकबर के रत्न अबुल फजल ने 'आइना-ए-अकबरी' में लिखा है कि बादशाह अकबर को समोसे पसंद थे। ब्रिटिश या यूरोपियन लोगों को भी समोसा गया तो उन्होंने भी समोसे को गले नहीं लगाया अपितु गले में उतार दिया।

समोसों में क्षेत्रीय भेद
स्वतंत्रता के पश्चात भारत में सर्वत्र समोसा संस्कृति प्रसार में सिंधी व पंजाबियों का योगदान है। अपनी भूमि से निर्वासित हुए पंजाबियों ने होटल ही नहीं सड़कों में रेंडिओ द्वारा भी समोसा संस्कृति का प्रसार किया।

अब तो समोसा अंतर्राष्ट्रीय ख्याति पा चुका है भारत में प्रांतीय व क्षेत्रीय स्वाद अनुसार कई प्रकार के समोसे उपलब्ध हैं।

समोसा के मुख्य प्रकार- दो तरह से वर्गीकरण हो सकता है -

१- आटे के अनुसार विभाजन जैसे मैदा के समोसे, बाजरे के समोसे, नाचनी-बेसन के

समोसे, निखालिश गेंहू के आटे का समोसा आदि आदि

२- भ्रान द्रव्य अनुसार समोसों का विभाजन - भ्रान श्रव्य जैसे आलू, मटर; चीज, भिन्न भिन्न कीमा, कुछ सब्जी भी भरकर। इसी तरह मीठा समोसा जिस पर भ्रान में गुड़ या चीनी डाला जाता है।

समोसे का विभाजन अब कैसे पके के अनुसार भी हो रहा है। तिल में सघन पके समोसा व एयर फ्राइड समोसे।

भारत में समोसा के भ्रान में क्षेत्रीय भेद मिलता है जैसे - पूर्व में समोसे के अंदर आलू, हरी मिर्च, मसाले -नमक के अतिरिक्त हींग डालना सामान्य है। बंगाल में उबले आलुओं को चुरा नहीं जाता अपितु चाकू से छोटे टुकड़े किये जाते हैं व भर दिए जाते हैं। उत्तरी भारत में आलू को चुरा जाता है व तेल में सब्जी जैसा भुना जाता है तभी भरा जाता है। यह अंतर मुंबई में भी मिलता है खार बाँद्रा, साइन आदि में उत्तरी भारत तकनीक से समोसा बनता है। शेष स्थानों में कोंकणी शैली में भी पकाया जाता है जैसे नारियल चुरा भरण में प्रयोग होता है। दक्षिण में भरण में प्याज, गाजर, मसाले, पता गोभी व कड़ी पत्तों को भरा जाता है व नारियल भी।

कुछ भी है समोसा आज भारत की पहचान है।

रचनाकार- अनुजीत इकबाल, लखनऊ



अंतिम सुख

पतझड़ की असंख्य आवृत्तियां लेकिन बसंत का आना जैसे अवरूद्ध है और जीवन अरण्य रिक्तता का पर्याय बन रहा है मैं तुम्हारे दुर्निवार मोह में अपने ही अक्ष पर झुकी हुई परिक्रमण करती रहती हूँ निरंतर लेकिन कोई ऋतु नहीं बदलती आखिर वो तुम ही हो जिसके स्पर्श से हो सकता था देह के शिशिर का अवसान और प्रस्फुटित हो सकती थी सौम्य सी कोई कोंपल मन के अंतर्द्वंद्व और विकल अनुबंधों से जब मुक्त हो जाऊं तब तुम आना जीवन को पुनर्परीभाषित करने किसी अंतिम सुख की तरह।।

राजीव डोगरा, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

माँ का आंचल

माँ! ममतामय आंचल में फिर से मुझे छुपा लो बहुत डर लगता है मुझे दुनिया के घने अंधकार में। माँ! फिर से अपने प्यार भरे अहसासों के दीप मुझ में आकर जला दो। माँ! खो न जाऊ कहीं दुनिया की इस भीड़ में माँ! फिर हाथ थाम मेरा कदम से कदम मिला मुझे चलना सीखा दो। माँ! डरा सहमा सा रहता हूँ मतलबखोर लोगों की भीड़ में माँ! अपना ममतामय आंचल उड़ा मुझे फिर से अपनी प्यार भरी लोरी गा सुला दो।



नमिता गुप्ता मनसी मेरठ, उत्तर प्रदेश



विजय

सुनों, मत करो चिंतन गहन, बह जाने दो, कह जाने दो.. आंसुओं को, ये ही तो रूपरेखाएं हैं, तुम्हारी श्री विजय की !!

तम तो भ्रम है, वो भी एक क्रम है, एक अवसर है.. प्रभात किरण का,

फिर डर कैसा, ये भ्रम कैसा, निस्वार्थ बढें तो टल सकती सभी बाधाएं हैं, ये ही तो रूपरेखाएं हैं, तुम्हारी श्री विजय की !!

सुनों, उठाओ तो गांठीव.. चढाओ प्रत्यंचा भी, कि पराजय सभी तुम्हारी बन चलेंगी सारथी,

समय साक्षी है, युग-युग की कथाएं भी, जब भी उपेक्षित होता है सच कमजोरियां ही बन जाती हैं कवच, प्रयत्न करने से ही बदलती रेखाएं हैं, ये ही तो रूपरेखाएं हैं, तुम्हारी श्री विजय की !! इसलिए कोशिश करो.. अर्जुन बनो.. हां, अर्जुन बनो.. !!

विविधा

पुस्तक समीक्षा : स्त्री पुरुष समानता का पोषक कविता संग्रह है 'सहसा कुछ नहीं होता'

शिवकुमार शर्मा



कविता किसी विषय को दिल से दिलों तक पहुंचाने की अन्यतम विधा है। कविता सामाजिक विषयों का दर्पण है, कविता दर्शन और रचनात्मक विचारों का लोकार्पण है।

कवयित्री रक्षा के 168 पृष्ठीय संग्रह में एक सो ग्यारह कवितायें संकलित हैं।

कविता संग्रह में नारी जीवन के विभिन्न पहलुओं को उनके आयतन, क्षेत्रफल, जड़त्व, गुरुत्व का विश्लेषण करते हुए भिन्न भिन्न दृष्टिकोण से परिभाषित ही नहीं किया अपितु नारी की नियति और नारी जीवन के बाह्य-अभ्यंतर सत्य को दृढ़ता पूर्वक उद्घाटित किया गया है। एक ओर उनकी कविताओं में औरत की दशा को चिंतन का विषय बनाकर सामाजिक पटल पर रखा गया है तो वहीं दूसरी ओर पाशुविक व्यवहार की पराकाष्ठा के पार जाकर स्त्री की पीड़ा को घनीभूत करने वाली विडंबनाओं को भी उकेरा गया है।

रक्षा जी की कविताएं नारी के प्रति नृशंश

व्यवहार पर सीधे मिसाइल की तरह से प्रहार करने वाली है। रचनाकार अपनी कविताओं में संसार की रचनाकार की कोमल भावनाओं, करुणाशीलता और सहनशीलता की कथा कहतीं दृष्टिगोचर होती हैं तो वहीं दूसरी ओर विकसित कहे जाने वाले समाजों में स्त्री के ठगे जाने की व्यथा को प्रकट करने से भी नहीं चूकतीं हैं।

उनकी कविताएं प्रकृति, मानव प्रवृत्ति, राजनीति, लोकनीति, बहुत से विषयों को छूतीं हैं तो रीति-नीति का विश्लेषण करतीं तथा कुरीति और अनीतिके समापन का सुझाव देती हैं। कविता 'प्रोडक्ट' में उपभोक्तावाद और नारी की दशा तथा 'व्यथा' में कन्या भ्रूण हत्या एवं 'कुवेराक्षी' में जिस्मफरोशी का दर्द उजागर हुआ है। शीर्षक 'अच्छी औरतें' और 'चरित्रहीन औरतें' स्त्री के प्रति सोच और व्यवहार पर करारा तमाचा है।

औरत के हिस्से में आया 'अधूरी नौद का पूरा सपना' तथा अपने ही उत्सव में शाम तक श्री हीन हो चुकी होती घर की लक्ष्मी' दर्द भरा यथार्थ है। स्त्री लता है। कवयित्री अपेक्षा करती है पेड़ की मजबूती किसी और लता के लिए थी, खुद क्यों नहीं हो जाती है पेड़ वह कविता

दियासलाई में दुनिया को बताना चाहती है कि वह मोमबत्ती और दियासलाई जो रोशन करने के साथ-साथ मादा रखती है दुनिया को खाक कर देने का भी।

'जीवन की सांझ' जेंडर इक्वलिटी पर लिखी गई टीका है। कविता 'सवामणी' गरीबशास्त्र का सार संक्षेप है। प्रोडक्ट, मिक्सर, सिंफनी, ग्रे शैंड नेल कटर, कवर, फेसबुक कपल, ब्रांडेड बार, स्वीट कॉर्न जैसे आंग्ल भाषा के शब्दों का समरसता पूर्वक किया गया प्रासंगिक प्रयोग भी भाषाई दृष्टि से पाठकों को खटकने वाला नहीं है।

वहीं दफ्तर इंतेहाई, खूबसूरत, तरबियत, बेतरतीब, महफूज, शातिर, खफ्रीफ, मुतमइन जैसे अरबी तथा आबाद, जुम्बिश, शोख जर्द गुजस्ता, दरमियान, खुशहाल, पेशानी पेशीदगी आदि फारसी शब्दों का प्रयोग भी माकूल ढंग से किया गया है।

भाषा का भाव के साथ अप्रतिम साम्य देखने को मिलता है। 'मुट्टी में बंद वर्फ की मानिंद' तथा 'मुट्टी में बंद रेत सा सरकना' जैसी उपमाएं दृष्टव्य है।

कविता काव्य की कसौटी पर कैसी है यस मुतबहिरर या कृतमुख का विषय है। 'जहां

मुस्कान आभूषण हैं और ठहाका वर्जित' ऐसे हालातों में औरत परवरिश और परिवेश के बीच संतुलन साधती नजर आती है।

कठोरता से न को कहने के लिए समूचे नारी जगत का आवाहन कविताएं स्त्री पुरुष समानता का अनुष्ठान पूरा करने के लिए मूल मंत्र हैं।

कविता 'उस दिन' की पंक्तियां जब स्त्री की देह नहीं वल्कि उसका परिश्रम, पसीना बने, कविता के लिए सौंदर्य का उपमान, उस दिन धरती का अपनी धुरी पर संतुलन सबसे ज्यादा होगा शक्ति तत्व की महत्ता प्रतिपादित करती हैं।

समाज में स्त्री के प्रति सोच में अपेक्षित बदलाव की दिशा

का निर्धारण स्त्री पुरुष समानता के मानदंडों की स्थापना में रक्षा जी की कविताएं नींव की



पुस्तक का नाम -सहसा कुछ नहीं होता (कविता संग्रह)
रचनाकार -रक्षा दुबे (चौबे)
प्रथम संस्करण -2021
प्रकाशक बोधि प्रकाशन, जयपुर मूल्य- 175/-

ईंट साबित होगी।

Shivkumarbhind@gmail.com

आत्मविश्वास : आत्मज्ञ ही हो सकता है आत्मविश्वासी

सिद्धार्थ अर्जुन, कवि/लेखक

टूटते और बिखरते हुये लोगों को प्रायः यह सलाह दी जाती है कि वह अपना आत्मविश्वास न खोयें, महान लोगों के बारे में भी कहा जाता है कि अमुक-अमुक जन बड़े आत्मविश्वासी थे।

वास्तविकता भी यही है कि आत्मविश्वास एक बहुत ही अद्भुत चीज है परंतु मुझे जो बात सबसे ज़्यादा खटकती है वह यह कि लोग कहते हैं कि आत्मविश्वास मत खोना, कोई भी आत्मविश्वास अर्जित करने की बात नहीं करता..कोई यह चर्चा नहीं करता कि आत्मविश्वास पाया कैसे जाये, अब जो चीज सामने वाले के पास है ही नहीं आप उससे वह चीज न खोने देने की बात कर रहे हैं, ऐसे में उसका क्या भला होगा, उल्टे परेशानी बढ़ना तय है।

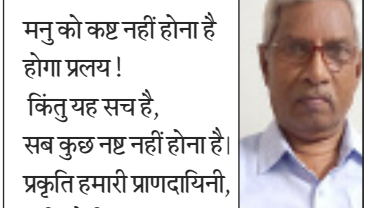
हम बात करेंगे आत्मविश्वास अर्जित करने

'आत्म' को...अर्थात् आत्मविश्वास का मानक है 'स्वयं को जानना' जब आप स्वयं को जानते होंगे तभी आपको स्वयं पर विश्वास हो सकता है, कह सकते हैं कि आत्मज्ञ ही आत्मविश्वासी हो सकता है।

के बारे में, अगर मैं आपसे यह प्रश्न करूँ की आत्मविश्वास क्या है तो आपका जवाब क्या होगा? आत्मविश्वास के बारे में मैंने जो पाया वह यह कि आत्मविश्वास एक मानसिक अवस्था है, वह अवस्था जिसमें हमें अपनी सामर्थ्य का विधिवत बोध होता है और यह तो शास्वत सत्य है कि बुद्ध विचलित नहीं होते, आत्मविश्वास को अर्जित करना भी बोध तक की यात्रा है जिस क्षण आपको बोध हो गया उसी क्षण आपमें आत्मविश्वास प्रस्फुटित हो जायेगा, फिर आपको उसे खोने से बचना होगा। अब प्रश्न यह होगा कि बोध कैसा? इस प्रश्न का उत्तर भी एक प्रश्न में निहित है वह प्रश्न यह है कि आप विश्वास किस पर

करते हैं, अर्थात् विश्वास का मानक क्या है? मेरी खोज कहती है कि विश्वास का मानक है जानना, अर्थात् हम विश्वास उसी पर करते हैं जिसे हम जानते हैं और विश्वास करना भी उसी पर चाहिये जिसे हम जानते हों, यहाँ पर जानने

शिवानन्द सिंह 'सहयोगी' मेरठ



मनु को कष्ट नहीं होना है होगा प्रलय!
किंतु यह सच है, सब कुछ नष्ट नहीं होना है। प्रकृति हमारी प्राणदायिनी, नहीं मरेगी, आया हो कोई दुख अविहित, स्वयं हरेगी, होगा अनय!
किंतु यह सच है, मन यह तष्ट नहीं होना है। किसी भयानक डर, अकाल से, नहीं डरेगी, बुरे दिनों के, हर हालत में, पेट भरेगी, होगा डयन!
किंतु यह सच है, पहिया भ्रष्ट नहीं होना है। अंतरिक्ष, संपूर्ण लोक का, एका होगा, काम सभी झटपट निबटेगे, ठेका होगा, होगा चयन!
किंतु यह सच है, मनु को कष्ट नहीं होना है।

का अर्थ थोड़ा गहरा है अतः तलहटी में हाथ-पैर पटक कर इसका अर्थ लगाने की त्रुटि कदापि न करें, यह स्पष्ट हो चुका है कि विश्वास का मानक है जानना, अब आइये आत्मविश्वास पर तो आत्मविश्वास का मानक भी 'जानना' ही होगा, किसे जानना?

'आत्म' को...अर्थात् आत्मविश्वास का मानक है 'स्वयं को जानना' जब आप स्वयं को जानते होंगे तभी आपको स्वयं पर विश्वास हो सकता है, कह सकते हैं कि आत्मज्ञ ही आत्मविश्वासी हो सकता है तो हम जिस प्रश्न को लेकर चले थे कि बोध कैसा, तो उसका उत्तर है आत्मबोध अर्थात् अपनी शक्ति और अपनी प्रवृत्ति का बोध, उदाहरण के तौर पर

देखिये सूरज को, नदी को, समुद्र को...यह कभी विचलित नहीं होते क्योंकि इन्हें आत्मबोध होता है। इस प्रकार आत्मविश्वास के प्राकट्य का मार्ग यही है कि आप अपने अंदर की यात्रा करें अपने आपको समझें, अपनी सामर्थ्य को जाने, फिर उसके बाद यह बात अच्छी लगेगी जब कोई कहेगा कि आत्मविश्वास खोने मत देना, क्योंकि इस समय तक आपके पास आत्मविश्वास होगा।

आत्मविश्वास का अध्याय यहीं पर समाप्त नहीं होता परंतु आत्मविश्वास की आधारशिला यहीं से शुरू होती है तो चलिए प्रयास करते हैं, आत्म को जानने का अर्थात् आत्मविश्वासी होने का।

नमिता गुप्ता मनसी उत्तर प्रदेश, मेरठ

जब कभी..वह आदमी



थोड़ा सा एकांत,
एक शोर गूंजने लगता है
अंतस में!!

जब कभी..वह आदमी
लिखना चाहता है एक कविता
सिर्फ स्वयं के लिए,
अनपढ़ सी हो जाती है
सारी इच्छाएं!!

और..

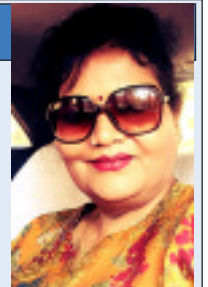
जब कभी..वह आदमी
मसीहा कहलाता है
परिवर्तित हो जाता है चुपचाप
ईश्वर में!!

जब कभी..वह आदमी बनना चाहता है थोड़ा सा इंसान, विरोध के स्वर हो जाते हैं और भी प्रखर!!

जब कभी..वह आदमी थोड़ा सा प्रेम चाहता है समय की दीवारें रचती हैं साजिशें!!

जब कभी..वह आदमी चाहता है

सरस्वती धानेश्वर भिलाई छत्तीसगढ़ मुखौटा



सियासत जब अपना मुखौटा खोल देती है
इंसानियत फिर अपने, सब को आजमाना छोड़ देती है!
साजिशें बुलंद होती हैं, जब अमीरी की पनाहों में,
सच्चाई फिर अपना दामन छोड़ देती है!

रचते हैं स्वांग वो बन- बन कर मदारी,
दुनिया फिर उनके इशारों पर नाचना छोड़ देती है!
हुकुमते सजकर, गलियारों से पहुंचती हैं जब संसद तक,
बनकर बेदर्द, ये आम आदमी का आशियाना तोड़ देती हैं!

मतलबी जालिम हैं, पैमानों पर दम भरती हैं
जीत के मद में ये सीना ताने चलती हैं
जाम उछालते हुए लोगों को छलती हैं!
जाने कितनी काली करतूतें हैं, इन बेगैरत सौदाइयों की,
लगाकर गरीब की बस्ती में आग, खड़े होकर बुझाने का दंभ भरती हैं!

बेसहारा मजलूमों को जब पड़ जाती है, बेदर्द बेड़ियों की आदत,
मायूस होकर आंखें, मूक तमाशबीन बनती हैं!

बचकर रहना ही मुनासिब है इन आस्तीनी सांपों से,
पिलाया गर दूध तो ये पलट वार करती हैं!
ये सियासत है साहब गिरगिट की तरह रंग बदलती हैं!



आंवला एक लाभ अनेक

है और 1 आंवले में संतरे से 17 गुना अधिक एंटीऑक्सिडेंट होता है। विटामिन सी के साथ-साथ यह कैल्शियम का भी एक समृद्ध स्रोत है।

यह आपको कई मौसमी बीमारियों से दूर रखने के साथ-साथ सर्दी या खांसी में भी राहत दिलाता है। इसके अलावा आंवला शरीर के हर अंग के लिए अलग-अलग प्रकार से मदद करता है। गंभीर बीमारियों में इसके सेवन से लाभ मिलता है इसके सेवन से बाल, आंख पाचन शक्ति तंदुरुस्त रहते हैं।

आंवले का चूर्ण - अगर आपको लगातार पेट की समस्या है तो आंवले के चूर्ण का इस्तेमाल करें। इससे गैस कब्ज एसिडिटी की समस्या में आराम मिलेगा। साथ ही भोजन को पचाने में समस्या नहीं होगी।

आंवले का मुरब्बा - आंवले का मुरब्बा जितना अधिक पुराना होता है वह उतना ही गुणकारी और लाभकारी होता है। रोज एक पूरा आंवले का मुरब्बा खाने से आंखों की रोशनी तेज होती है बाल बढ़ते हैं सर्दी-खांसी

नहीं होती है। चेहरे का ग्लो बढ़ता है।

आंवले का अचार - अगर आप अचार के शौकीन हैं लेकिन खा नहीं सकते तो आंवले के अचार का सेवन कर सकते हैं। यह आपकी बॉडी को नुकसान नहीं पहुंचाता है। पराठे या रोटी के साथ टंड के सीजन में इसका सेवन कर सकते हैं। **आंवले का जूस** - आंवले का जूस अगर आपने नहीं पिया है तो इस बार जरूर इसका सेवन करें। आंवले के जूस के सेवन से शरीर में तरावट बनी रहती है। क्योंकि इसमें विटामिन सी होता है। जिससे आपकी बॉडी को एनर्जी मिलती है।

आंवले का मुखवास - आंवले का जब मुखवास तैयार करते हैं तो महिलाएं अलग-अलग प्रकार के मुखवास बनाती हैं। उन्हें बारीक किस कर बनाया जाता है आंवले के टुकड़े करके बनाया जाता है तो चिप्स के रूप में बनाते हैं। हालांकि कई लोग मुखवास बनाने के दौरान बहुत सारी चीनी का इस्तेमाल करते हैं। जो सेहत के लिए बेहद हानिकारक होती है।

खाने-पीने की जब भी बात आती है, तो मौसम का अहम रोल होता है। जैसे अक्सर लोग इस बात को लेकर दुविधा में रहते हैं कि सर्दियों में कौन-सी चीजें खानी चाहिए और कौन सी चीजें नहीं खानी चाहिए।

आंवले के बारे में भी ज्यादातर लोग यही सोचते हैं कि टंड में आंवला नहीं खाना चाहिए

लेकिन आयुर्वेद के अनुसार टंड के मौसम में आंवले का सेवन आपको कई बीमारियों से बचाता है। आइए जानते हैं टंड में आंवला खाने के फायदे

आंवले के बारे में भी ज्यादातर लोग सोचते हैं कि टंड में आंवला नहीं खाना चाहिए लेकिन आयुर्वेद के अनुसार टंड के मौसम में

आंवले का सेवन आपको कई बीमारियों से बचाता है। आंवला जिसे इंडियन गूसबेरी भी कहा जाता है हमारे स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होता है। आइए आप को बताते हैं आंवला खाने के फायदे। आंवला विटामिन सी का काफी अच्छा स्रोत है। इसमें एक संतरे की तुलना में 8 गुना अधिक विटामिन सी होता

चाय की लत आपको बना सकती है गंभीर बीमारी का शिकार

शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति हो जिसे चाय पीना पसंद न हो। चाय देश ही नहीं बल्कि विदेश में भी काफी पसंद किया जाने वाला पेय पदार्थ है। चाय की इसी लोकप्रियता के चलते दुनियाभर में कई प्रकार की चाय प्रचलित है। हमारा मूड रीफ्रेश करने के साथ ही चाय हमारी सेहत को कई तरह के फायदे भी पहुंचाती है। वहीं, सर्दियों के मौसम में तो लोग भारी मात्रा में इसका सेवन करना शुरू कर देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि चाय की लत कई बार आपके लिए हानिकारक भी साबित हो सकती है।

दरअसल, ज्यादा मात्रा में चाय पीने से आप हड्डियों की खतरनाक बीमारी का शिकार हो सकती है। स्केलेटल फ्लोरोसिस नामक यह बीमारी आपकी हड्डियों को अंदर ही अंदर खोखला बना सकती है। अगर आप भी चाय पीने के शौकीन हैं, तो आज जानेंगे इसके अधिक सेवन से होने वाली इस बीमारी के बारे में-

क्या है स्केलेटल फ्लोरोसिस

स्केलेटल फ्लोरोसिस हड्डियों की बीमारी है, जो अंदर ही अंदर हमारी हड्डियों को खोखला कर देती है। इस बीमारी से पीड़ित व्यक्ति को गठिया यानी अर्थराइटिस जैसा दर्द महसूस होता है। ये बीमारी खासतौर पर हड्डियों में दर्द पैदा करती है। इस बीमारी के होने पर कमर दर्द, हाथ-पैरों में दर्द और जोड़ों में दर्द की शिकायत होती है।

चाय से हो सकता है स्केलेटल फ्लोरोसिस

अगर आप खाली पेट चाय पीते हैं या दिन में लगातार चाय का सेवन कर रहे हैं, तो इससे स्केलेटल फ्लोरोसिस का खतरा काफी बढ़ जाता है। दरअसल, चाय में मौजूद फ्लोराइड मिनरल हड्डियों के लिए बेहद नुकसानदायक

होता है। ऐसे में शरीर के अंदर फ्लोराइड की मात्रा बढ़ने पर हड्डियों में स्केलेटल फ्लोरोसिस होने की आशंका बढ़ जाती है। साथ ही चाय शरीर को कैल्शियम सोखने से भी रोकता है, जिसकी वजह से इस बीमारी का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

स्केलेटल फ्लोरोसिस के लक्षण

पेट भारी रहना
घुटनों के आसपास सूजन
झुकने या बैठने में परेशानी
दांतों में अत्यधिक पीलापन
कंधे, हाथ और पैर के जोड़ों में दर्द
कम उम्र में बुढ़ापा का लक्षण नजर आना
हाथ-पैर का आगे या पीछे की ओर मुड़ जाना
पांव का बाहर या अंदर की ओर धनुषाकार हो जाना

दिन में कितनी चाय पीना सुरक्षित



चाय के अधिक सेवन से सिर्फ स्केलेटल फ्लोरोसिस ही नहीं, बल्कि कई अन्य समस्याएं भी हो सकती हैं। खाली पेट या ज्यादा मात्रा में चाय पीने से अल्सर, हाइपर एसिडिटी, घबराहट, मलती जैसी कई समस्याएं हो सकती हैं।

ऐसे में जरूरी है कि आप सीमित मात्रा में चाय का सेवन करें। दिन में तीन कप चाय का सेवन सेहत के लिए खतरनाक नहीं है। लेकिन अगर आप रोजाना तीन कप से ज्यादा चाय पी रहे हैं, तो यह आपके लिए घातक साबित हो सकता है।

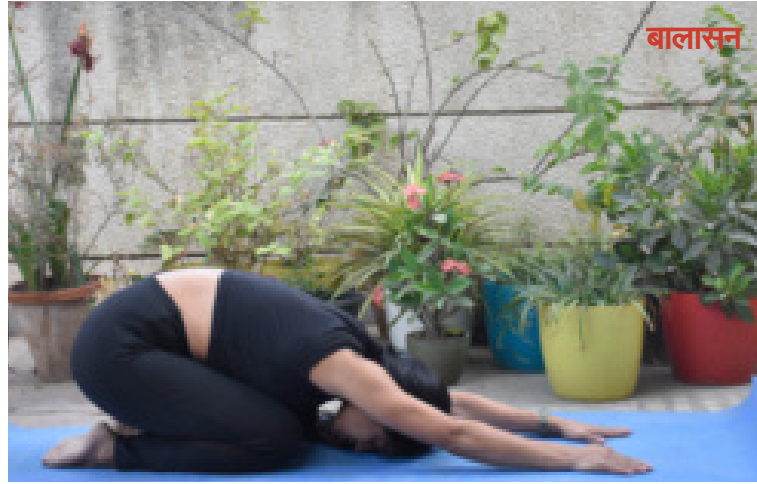
गैस व एसिडिटी की ज्यादा प्रॉब्लम, तो इन योगासनों से पाएं राहत

बिना पचा भोजन अगर लंबे समय तक पेट में रहता है तो इससे गैस, खटी डकार आना, एसिडिटी, पेट दर्द के साथ मरोड़ की शिकायत भी हो सकती है। सर्दियों में तो ये समस्या और बढ़ जाती है क्योंकि इस मौसम में चाय-कॉफी के साथ गर्मागर्म पकौड़े, मक्खन वाले पराठे का सेवन भी लोग दूसरे सीजन के मुकाबले ज्यादा करते हैं।

पेट में गैस तब बनती है, जब हमारे शरीर की कोशिकाएं खाए गए भोजन से अपना तालमेल नहीं बिठा पातीं। इसकी वजह से अपच भी हो सकती है। जो अल्सर, कब्ज, स्टमक इन्फेक्शन जैसी दूसरी परेशानियों की वजह भी बन जाती है। इसके अलावा नियमित तौर पर दवाओं का सेवन करने वाले व्यक्तियों को भी गैस की प्रॉब्लम हो सकती है।

गैस की अन्य वजहें

जल्दी-जल्दी खाना, एक बार में बहुत ज्यादा खाना, ऑयली-मसालेदार भोजन, मीठे का सेवन, तनाव, ज्यादा सिगरेट शराब पीने से भी गैस की प्रॉब्लम होती है। तो गैस की समस्या



से राहत दिलाने में कुछ योगासन बेहद कारगर साबित हो सकते हैं। जानेंगे इनके बारे में।

अर्धमत्स्येन्द्रासन

अर्धमत्स्येन्द्रासन डायबिटीज के साथ ही गैस व एसिडिटी में भी बेहद कारगर आसन है। इससे पेट पर दबाव पड़ता है जिससे गैस आसानी से रिलीज हो जाती है। साथ ही बॉडी भी डिटॉक्स होती है। यह पेट के अंदरूनी अंगों

में ब्लड के सर्कुलेशन को भी बढ़ाता है।

बालासन

बालासन तो गैस व एसिडिटी दूर करने में बहुत ही असरदार आसन है। इस आसन से पेट के अंगों की मालिश होती है जिससे पाचन ठीक रहता है और साथ ही अंदरूनी अंग मजबूत भी होते हैं। बालासन के अभ्यास से तनाव भी दूर रहता है।

अधोमुख श्वानासन

अधोमुख श्वान के अभ्यास से भी गैस व एसिडिटी की समस्या दूर होती है। यह आसन से पेट पर दबाव पड़ता है जिससे गैस रिलीज होती है साथ ही पेट में ऑक्सीजन की सप्लाई भी सही तरह से होती है।

वज्रासन

खाने के तुरंत बाद अगर आप 3-4 मिनट वज्रासन में बैठ जाएं तो आप पाचन से जुड़ी कई समस्याओं से दूर रह सकते हैं। यह आसन पेट और आंत में ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाती है और भोजन को सही से पचाने में भी मदद करती है।

मार्जरीआसन

मार्जरी आसन गैस से छुटकारा दिलाने में बहुत ही फायदेमंद है। इस आसन को करने से पाचन अंगों की मसाज होती है और वहां ब्लड का सर्कुलेशन भी सही तरह से होता है। जिससे गैस के साथ ही एसिडिटी से भी राहत मिलती है।

BNM Fantasy



नेहा मलिक ने फिर लूट लिया फैस का दिल

भोजपुरी सिनेमा हॉट एक्ट्रेस नेहा मलिक सिजलिंग, ग्लैमरस और बोल्ड लुक की वजह से सोशल मीडिया में चर्चा में रहती हैं। फैस उनके बोल्ड और हॉट फोटोज का बेसब्री से इंतजार करते रहते हैं। एक बार फिर नेहा ने अपनी तस्वीरों शेयर कर इंटरनेट का तापमान बढ़ा दिया है। फैस उनकी कातिलाना अदाओं से नजरें ही नहीं हटा पा रहे हैं। एक्ट्रेस नेहा मलिक ने हाल ही में अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। नेहा मलिक को ये तस्वीरें दुबई में उनके वेकेशन की हैं। नेहा मलिक ने फ्लोरल प्रिंट ऑफ शोल्डर गाउन में खूबसूरत लग रही हैं। फैस उनके स्टाइलिश और बोल्ड लुक से उनके दीवाने हो गए हैं।

द

दीपिका पादुकोण की तस्वीर ने फिर चुराया रणवीर सिंह का दिल

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म फाइटर को लेकर हर तरफ छाई हुई हैं। फिल्म का नया गाना बीते दिन रिलीज किया गया है। दीपिका पादुकोण और ऋतिक रोशन की कैमिस्ट्री काफी सुर्खियों में बनी हुई है। लेकिन दीपिका के फैस उन्हें उनके पति रणवीर सिंह के साथ देखना काफी पसंद करते हैं और दोनों के बीच की ऑफ स्क्रीन कैमिस्ट्री फैस का दिल जीत लेती हैं। रील लाइफ या रियल लाइफ रणवीर हमेशा दीपिका के जिंदगी में हीरो का किरदार निभाते नजर आते हैं। दरअसल दीपिका पादुकोण ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर पोस्ट की है। एक्ट्रेस की तस्वीर इस कदर हसीन है कि हर कोई अपना दिल हार बैठा है। ब्लू कलर की साड़ी में दीपिका बला की खूबसूरत लग

रही हैं। ऐसे में एक्टर और पति रणवीर सिंह अपने इमोशन्स पर काबू नहीं रख पाए और दीपिका की तस्वीर पर कमेंट कर डाला। रणवीर ने लिखा, हाय माई जान। इस कमेंट से साफ है कि दीपिका की तस्वीर देख रणवीर का दिल उनके लिए फिर धड़क उठा है। रणवीर सिंह के इस कमेंट ने उनके और दीपिका के फैस का भी दिल जीत लिया है। रणवीर सिंह अपनी पत्नी पर इसी तरह प्यार लुटाते हुए नजर आते हैं। दीपिका और रणवीर बॉलीवुड की हिट जोड़ियों में से भी एक हैं। दोनों ने साथ में कई हिट फिल्में दी हैं। रामलीला, बाजीराव मस्तानी और पद्मावत जैसी फिल्मों के जरिए इस जोड़ी ने फैस के दिलों में अपनी जगह बनाई है। वहीं हाल ही में रामलीला के 10 साल पूरे हुए थे।



घुंघरू पहन अक्षरा सिंह ने जमकर लगाए ठुमके

नए भोजपुरी गाने का टीजर आउट



अक्षरा सिंह का लेटेस्ट वीडियो रिलीज होने के लिए तैयार है। हाल ही में एक्ट्रेस के अपकमिंग गाने का टीजर लॉन्च हुआ है। इस क्लिप को भोजपुरी फैस खूब पसंद कर रहे हैं। वीडियो से आप अंदाजा लगा सकते हैं कि अक्षरा एक बार फिर अपने फैस को दीवाना बनाने वाली हैं। सोशल मीडिया पर अक्षरा इस वक्त छाई हुई हैं। भोजपुरी की मशहूर अदाकारा अक्षरा सिंह एक बार फिर छाई हुई हैं।

हाल ही में उन्होंने अपने अपकमिंग गाने का नया पोस्टर शेयर किया है। बता दें अक्षरा का एक नया गाना रिलीज होने वाला है जिसका टीजर सामने आया है। एक्ट्रेस ने पोस्टर शेयर कर टीजर की जानकारी साझा की है। चलिए जानते हैं कौन सा है वो गाना और कैसा है टीजर? अक्षरा सिंह ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें एक्ट्रेस बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। लाल रंग के आउटफिट में अक्षरा की खूबसूरत गर्दा उड़ा रही है। लेकिन, उनके आने वाले गाने का टीजर कितना धमाल मचाता है ये तो आप इसे देखने के बाद ही बता पाएंगे। बता दें कि एक्ट्रेस के नए वीडियो सॉन्ग का नाम घुंघरू है जिसका इंतजार अक्षरा के फैस को बड़ी ही बेसब्री से है। अक्षरा

सिंह का धमाकेदार टीजर रिलीज के साथ ही भोजपुरी फैस के बीच छा गया है। एक्ट्रेस के फैस इस टीजर क्लिप पर खूब प्यार बरसा रहे हैं। वीडियो में आप देख सकते हैं अक्षरा ने लाल रंग का लहंगा पहन रखा है। साथ ही, घुंघराले बालों में उनकी खूबसूरती का अंदाजा लगा पाना बेहद मुश्किल है। इस टीजर क्लिप में अक्षरा सिंह को अलग अंदाज में देख कर उनके फैस बेहद एक्साइटेड हो रहे हैं। उनके गाने का उन्हें बेसब्री से इंतजार है। बता दें कि भोजपुरी इंडस्ट्री में अक्षरा की फैन फॉलोइंग काफी तगड़ी है। उन्होंने कई सुपरस्टार्स के साथ स्क्रीन शेयर किया है। अब देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले गाने को अक्षरा के फैस कितना प्यार देते हैं?

